3/12/23

Page No. 1
Date

# पाठ - 14 एक रानी का बदला

I अति लघु उत्तर लिखिए

क रानी शुकदेई कौन थीं ?

उत्तर रानी शुकदेई बंकी की रानी थी।

ख रानी शुकदेई किसके विरुद्ध युद्ध के लिए तैयार थीं ?

उत्तर रानी शुकदेई खुर्दा के [redacted] राजा के विरुद्ध युद्ध के लिए तैयार थी।

II लघु उत्तर लिखिए

क रानी शुकदेई अपने साथ युद्ध मे कैसे योद्धाओं को चलने के लिए कहती है?

उत्तर रानी शुकदेई युद्ध मे केवल ऐसे योद्धाओं को अपने साथ चलने के लिए कहती है जिन्हे मृत्यु से डर न लगता हो। केवल उन लोगो को शस्त्र उठाने के लिए कहती है, जिन्हे अपने देश की स्वतंत्रता अपने प्राणो से अधिक प्यारी हो।

ख बंदी बने खुर्दा के राजा को लज्जा क्यों आ रही थी?

उत्तर बंदी बने खुर्दा के राजा को इस बात से लज्जा आ रही थी कि वह एक स्त्री के सामने बंदी बनकर खड़ा है। वह भी ऐसी स्त्री, जिसके पति को उसने मारा था। वह सोच रहा था कि इस हालत मे पहुँचने से तो रणभूमि मे ही मारा जाता तो अच्छा था।

III दीर्घ उत्तर लिखिए

क रानी शुकदेई की वीरता का परिचय देते हुए बताइए कि उन्होने खुर्दा के राजा को किस प्रकार बंदी बनाया?

उत्तर रानी एक सच्ची क्षत्राणी थी। वे शत्रु के सामने नही झुक सकती थी। अगर कोई भी अनके साथ युद्ध मे चलने के लिए तैयार नही होता, तब भी वे अपने अधिकार के लिए युद्ध करती राजा की मृत्यु के बाद रानी और उनकी सेना ने खुर्दा पर आक्रमण कर दिया। रानी बहुत साहस और चतुराई से लड़ रही थीं। उन्हे देखकर सिपाही

भी जोश से लड़ रहे थे। अंत मे शत्रु के सिपाही उनके सामने टिक नहीं पाए। खुर्दा के सेनापति भी युद्ध मे मारे गए। सेना मे खलबली मच गई। सेनापति के बिना सेना मैदान छोड़कर भाग खड़ी हुई। बक्की की सेना रानी की जय-जयकार करती हुई खुर्दा के राजा को बंदी बना लिया।

ख महारानी ने खुर्दा के राजा को बंदी बनाकर क्यो छोड़ दिया तथा खुर्दा के राजा ने महारानी शुकदेई के सम्मान मे क्या कहा?

उत्तर रानी ने खुर्दा के राजा को बंदी बनाकर इसलिए छोड़ दिया क्योकि उन्होने कहा था जो दुख मुझे इतना दर्द और पीड़ा दे ~~सकता~~ रहा है वही दुख मैं किसी और को कैसे दे सकती हूँ। खर्दा के राजा ने महारानी शुकदेई के सम्मान मे कहा कि महारानी जी! आप महान हैं, आज आपने दोहरी विजय पाई है। आप न केवल युद्ध के मैदान मे जीती

है, बल्कि अपने मेरा और सारे खुर्दा निवासियों का दिल भी जीत लिया है। मैं हमेशा के लिए आपका ऋणी हो गया। श्रद्धा के रूप मे पूरा 'कुआपल पांगण' आपको देता हूँ और प्रण करता हूँ कि खुर्दा की एक भी तलवार बंकी के विरुद्ध नही उठेगी।

Seen
22/12/23

5/12/23

Page No. 5
Date

# पाठ - 13. डिजिटल इंडिया

II अति लघु उत्तर लिखिए

क भारत की पुण्य धरा पर कवि क्या लिखने के लिए कह रहे हैं?

उत्तर भारत की पुण्य धरा पर कवि एक नया अध्याय लिखने के लिए कह रहे हैं।

ख स्कूलों - संस्थानों को किसका उपहार मिलेगा?

उत्तर स्कूलो - संस्थानो को इंटरनेट का उपहार मिलेगा।

ग विश्वज्ञान की प्राप्ति हो जाने पर विद्यार्थी कैसे बन जाएँगे?

उत्तर विश्वज्ञान की प्राप्ति हो जाने पर विद्यार्थी प्रतिभावान बन जाएँगे।

III लघु उत्तर लिखिए

क 'विकास शहर तक सीमित न हो, गाँवो मे अब बदलाव हो' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर इस पंक्ति से कवि का आशय है कि इंटरनेट की सुविधाएँ शहरों के साथ-साथ गाँवों को भी मिलनी चाहिए तभी पूर्ण रूप से हम डिजिटल इंडिया का सपना साकार कर पाएँगे।

ख संचार का विस्तार क्यों आवश्यक है?
उत्तर जन-जन को जन-जन से जोड़ने के लिए संचार का विस्तार आवश्यक है। इससे लोगों के बीच की दूरियाँ कम होगी और वे अपना संदेश आसानी से एक-दूसरे तक पहुँचा सकेंगे।

ग कवि को क्या विश्वास है?
उत्तर भारत के विकास को देखते हुए कवि का विश्वास है कि भारत जल्द ही प्रत्येक क्षेत्र में अन्य देशों से आगे निकल जाएगा।

IV दीर्घ उत्तर लिखिए

क कवि किस सपने के बारे मे कह रहे हैं और यह सपना कैसे पूरा होगा?

उत्तर कवि इस कविता के माध्यम से भारत की पवित्र धरती पर डिजिटल इंडिया का सपना साकार करने की बात कह रहे हैं। इस सपने को सच करने के लिए सभी स्कूलों-संस्थानों को इंटरनेट की सुविधाएँ उपलब्ध करानी होगी। शहर के साथ-साथ गाँवों को भी संचार के विभिन्न साधनों से जोड़ना होगा, जिससे संपूर्ण भारत का विकास एक साथ हो सके।

ख निम्नलिखित संकेत पंक्तियों का आशय स्पष्ट

उत्तर इन पंक्तियों से कवि का आशय है कि हमारा भारत देश तेजी-से तरक्की कर रहा है और वह दिन भी दूर नहीं, जब यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र मे अन्य देशों को पीछे छोड़ देगा। कवि आह्वान कर रहे हैं कि हमे भी भारत की पुण्य धरा पर एक नया अध्याय लिखना है और मिल-जुलकर

भारत को डिजिटल बनाने का सपना साकार करना है।

22/12/23